



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक संकेत

दिनांक .18-12-2020 पृष्ठ संख्या.....6 कॉलम...3-6

'सामुदायिक रेडियो स्टेशन के प्रसारणों का कृषि विकास में होगा महत्वपूर्ण योगदान'

एचएयू के कुलपति ने किया सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन

सिरसा, 17 दिसंबर (दिनेश कौशिक) : कृषि विज्ञान केंद्र पर बहस्त्रियार को सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन किया गया। जिसमें चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताए मुख्य अतिथि शिरकत की। प्रो. समर सिंह ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करने के बाद कहा कि सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम-सामयिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इनसे किसानों को मौसम संबंधी



सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. समर सिंह।

जानकारी, विश्वविद्यालय के नरेंद्र मोदी के उद्देश्य को पूरा करने वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एवं गृह विज्ञान से संबंधित उन्होंने बताया कि इन स्टेशनों पर नवीनतम जानकारी प्रदान की महिलाओं को स्वावलंबी व स्वरोजगारोन्मुखी बनाने संबंधित जाएगी। सामुदायिक रेडियो स्टेशन कार्यक्रम भी सुव्यवस्थित तरीके से को भी बढ़ावा देंगे तथा किसानों को आय दोगुना करने में प्रधानमंत्री अधिक से अधिक प्रसारित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चौधरी

चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एक साथ सात सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। भारत सरकार व हरियाणा सरकार की सहायता से इस तरह के छह सामुदायिक रेडियो स्टेशन विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों पर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें हिसार, रोहतक, झज्जर, पानीपत, कुरुक्षेत्र व जींद शामिल हैं। इस अवसर पर सिरसा के एसडीएम जयवीर यादव, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस के. सहरावत, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डॉ. देवेंद्र जाखड़, जिला विस्तार विशेषज्ञ, प्रगतिशील किसानों सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैरिग्रन्थ

दिनांक .18.12.2020 पृष्ठ संख्या.....12 कॉलम.....6-8

सामुदायिक रेडियो स्टेशन के प्रसारणों का कृषि विकास में होगा महत्वपूर्ण योगदान

■ एचएयू के कुलपति ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन का किया उद्घाटन

हरिमूर्मि न्यूज़॥ सिरसा

सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम-सामयिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के सिरसा में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन के विधिवत उद्घाटन के बाद बोल



सिरसा। सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी।

फोटो: हरिभूमि

रहे थे। यह रेडियो स्टेशन अब किसानों के लिए समर्पित कर दिया गया है।

इस सामुदायिक रेडियो स्टेशन को हरियाणा सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा

कि इनसे किसानों को मौसम संबंधी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। किसानों व वैज्ञानिकों के होंगे घनिष्ठ संबंध, मिलेगी हर जानकारी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दौरे·भूम

दिनांक 18 : 12 : 2020 पृष्ठ संख्या 9 कॉलम 2-7

कोरोना महामारी के
चलते हक्कवि ने
परीक्षाएं करवाई, जो
कारगर रही

हारिभूगि न्यूज ►► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने पहली बार मध्यावधि एग्जाम के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों को भी परीक्षा सेंटर बनाया

एचएयू ने ऑनलाइन व ऑफलाइन रूप से आयोजित किए मिड टर्म एक्जाम

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्मातक एवं स्मातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटेन्ट अपनाया है। इस पैटेन्ट के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित करायी गईं, जो कारगर समिति है इन इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधालाय के बढ़-चढ़कने को बोला और उन्होंने इसका विवरण किया। विद्यार्थियों ने कुलसालव डॉ. बीबीकांडे बोला जब तियां कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कायथा। ऐसे में विद्यालय प्रशासन ने बेठक आयोजित कर एक नया पैटेन्ट अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करा की। फैसला लिया। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस बाबिभान केंद्र में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।



जनवरी में भी इसी पैटर्न पर होंगे प्रैपरेशन। यिकारक डॉ. एस. के. पाठुलु जे बताया कि विविध लाइफ स्टाइल जनवरी में असर जारी रखते हैं। इसी असर की जावे को दूर करने का फाइबोल प्रोजेक्ट है। इसी पैटर्न पर लाइफस्टाइल को दिखाते हुए प्रकार ने समाज का विचार न करका पहुँचा साथ ही कोरोना महामारी के बढ़ते क्षेत्र व राज्य सरकार द्वारा जारी दिक्षिण का पालन हो रहा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....उमर उजाला
 दिनांक 18.12.2020 पृष्ठ संख्या.....4 कॉलम.....1-3

हक्कुवि की फाइनल परीक्षाएं भी होंगी आनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हक्कुवि) की वार्षिक परीक्षाएं ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों पैटर्न से होंगी। मध्यावधि परीक्षाओं की तर्ज पर इन परीक्षाओं में भी कृषि विज्ञान केंद्रों को परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा।

बता दें कि हक्कुवि ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया था। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गई। यह फार्मला कारगर साबित हुआ। अब विविध प्रशासन ने इसी तर्ज पर वार्षिक परीक्षाएं कराने का फैसला किया है।

विदेशी व बाहरी राज्यों के लिए विद्यार्थियों ने दी ऑनलाइन परीक्षा: विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार मध्यावधि परीक्षाओं के लिए विवि ने एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार परीक्षाएं ऑनलाइन व

“

विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी में आयोजित की जाने वाली फाइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन हो सके। - डॉ. एसके पाठुजा, परीक्षा नियंत्रक, हक्कुवि

ऑफलाइन माध्यम से कराई गई। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए विवि के विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। जो विद्यार्थी विदेश से यहां पहुँचे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे औ कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा था जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विवि के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पर्जन्य के सरी

दिनांक 18.12.2022 पृष्ठ संख्या..... 2 कॉलम..... 1-3

'हकृति ने पहली बार मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों को बनाया परीक्षा केंद्र'

हिसार, 17 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इसके तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गईं, जो कारगर साबित हुईं।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बी.आर. कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनीती भरा कार्य था। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

विदेशियों व बाहरी राज्यों के विद्यार्थियों ने दी ऑनलाइन परीक्षा, बाकी पहुंचे नजदीकी परीक्षा केंद्र

परीक्षा नियंत्रक डा. पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया, जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी। उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी, जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, जीद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बावल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिवानी में 65, अम्बाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए, जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे। इनमें से कुछ विद्यार्थी अफगानिस्तान व मर्यादार से शामिल थे।

जनवरी में भी इसी पैटर्न पर होंगे पेपर

परीक्षा नियंत्रक डा. पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी माह में आयोजित की जाने वाली काइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पृष्ठ १३१२७

दिनांक १८.१२.२०२० पृष्ठ संख्या ५ कॉलम ६.८

परीक्षा के लिए एचएयू ने पहली बार कृषि विज्ञान केंद्रों को बनाया सेंटर

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गईं, जो कारगर साबित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

विदेशियों व बाहरी राज्यों के विद्यार्थियों ने दी ऑनलाइन



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज। ● पीआइओ

अब इसी पैटर्न पर होंगे ऐपर विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी माह में आयोजित की जाने वाली फाइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन हो सके।

परीक्षा: परीक्षा नियंत्रक डा. एसके पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस आने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया। इसके अलावा प्रदेश के विभिन्न जिलों के विद्यार्थियों ने विवि के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी।

उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए। इनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे। कुछ विद्यार्थी अफगानिस्तान व म्यांमार के थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

लोक संपर्क कार्यालय

दिनांक 18.12.2020 पृष्ठ संख्या 8 कॉलम 6-8

एचएयू ने कृषि विज्ञान केंद्रों को बनाया परीक्षा केंद्र ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से ली परीक्षाएं

हिसार, 17 दिसंबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। जिसके तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गईं। इसके लिए जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया।

विदेशी व बाहरी राज्यों के विद्यार्थियों ने दी ऑनलाइन परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या किर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया। कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए, जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी थे। इनमें से कुछ विद्यार्थी अफगानिस्तान व म्यांमार से शामिल थे। जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी।

प्रदेश में विभिन्न केंद्रों में ऑफलाइन रहा माध्यम

उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरुक्षेत्र में 49, यमुनानगर में 22, फरीदबाद में 4, बाबल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, मिवानी में 65, अंबाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन परीक्षा दी।

ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा बार विभिन्न जिलों में स्थापित केंद्र बनाए गए थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... सैनिक मार्केट

दिनांक 18-12-2020 पृष्ठ संख्या..... 2 कॉलम..... 8

एचएयु ने मध्यावधि परीक्षाओं के लिए
कृषि विज्ञान केंद्रों को भी बनाया केंद्र

भारत कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गईं, जो कारगर साक्षित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार हिस्सा लिया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस के पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी माह में आयोजित की जाने वाली फाइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन हो सके। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस के पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया। जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
पैट्रियट जागरण सिरिया

दिनांक . । ८ . । १२ . । २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

सामुदायिक रेडियो से 25 किमी तक मिलेंगी कृषि और पशुपालन से संबंधित जानकारियाँ

जागरण संबंद्हाता, सिरसा : सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को व्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। सिरसा कृषि विज्ञान केंद्र में स्थापित सामुदायिक रेडियो स्टेशन से 25 किलोमीटर तक की परिधि के किसानों को घर बैठे कृषि, पालन संबंधित नवीनतम जानकारियाँ उपलब्ध होंगी।

ये विचार चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्राफेसर समर सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन के विधिवत उद्घाटन के बाद पत्रकारों को संबंधित करते हुए कहे। यह सामुदायिक रेडियो स्टेशन को प्रांती सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। इनसे किसानों को मीसम संबंधी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। रेडियो स्टेशन के माध्यम से किसान टोल फ्री नंबर पर कॉल करके अथवा कृषि वैज्ञानिकों से संपर्क कर जानकारी ले सकेंगे। इस तरह के छह सामुदायिक रेडियो स्टेशन विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों पर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं।



कृषि विज्ञान केंद्र में सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करते हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह। ● विज्ञप्ति

रोजाना चार घंटे होगा प्रसारण
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि रेडियो स्टेशनों के स्थापित होने के बाद किसानों व वैज्ञानिकों के संबंध अधिक घनिष्ठ होंगे और किसानों को हर प्रकार की जानकारी मिलती रहेगी। भविष्य में यह सामुदायिक रेडियो स्टेशन उन्नत व नवीनतम तकनीकों के प्रयोग-प्रसार में मील का पत्थर सावित होंगे। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा ने कहा कि रेडियो स्टेशन से दिन में दो बार सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तथा शाम को 2:30 बजे से 4:30 बजे कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इस मीले पर सह-निदेशक डा. सुनील ढांड, नोडल ऑफिसर डा. कृष्ण यादव, अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहसावत, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डा. सतीश खोखर आदि मौजूद रहे।

कम यूरिया का इस्तेमाल करें
कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा गेहू की डल्लायुएच 1270 किस्म विकसित की गई है, जिसकी पैदावार प्रति हेक्टेयर चार से आठ विंटल अधिक है तथा इसमें पीला, भूरा रुतुआ व अन्य रोग भी नहीं होते। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को चार, दो, एक के अनुपात में नाइट्रोजन, फार्मोरस व पौटाश डालने का परामर्श दिया जाता है परंतु किसान 20 गुणा अधिक अनुपात तक यूरिया डालते हैं। इससे पौधों को बीमारी ज्यादा लगती है और बढ़वार अधिक होगी तो पैदावार कम होगी। मिरते भूजल को रोकने के लिए ड्रिप इरिगेशन, स्प्रिंकलर इत्यादि इस्तेमाल करने का परामर्श दिया जा रहा है। सरकार ड्रिप इरिगेशन के लिए 85 फीसद तक सब्सिडी भी दे रही है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अ.जे.स.भा.प्र
दिनांक ।.क्र. ।२ । २०२० पृष्ठ संख्या कॉलम.....

एचएयू ने कृषि विज्ञान केंद्रों को बनाया परीक्षा केंद्र

आज समाज नेटवर्क

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गईं, जो कारगर साबित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर.कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था।

ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा



केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी।

उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से

परीक्षा दी जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरुक्षेत्र में 21, जीद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बाबल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिवानी में 65, अंबाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

पांच बजे

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 17.12.2020 पृष्ठ संख्या कॉलम.....

एचएयू में ऑनलाइन व ऑफलाइन रूप से आयोजित किए जाएंगे मिड टर्म एक्जाम

एचएयू ने पहली बार मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों को भी बनाया परीक्षा केंद्र

पांच बजे बृहगी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गईं, जो कारण साथित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

विदेशियों व बाहरी राज्यों के विद्यार्थियों ने दी ऑनलाइन परीक्षा, बाकि



पहुंचे नजदीकी परीक्षा केंद्र

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे वा पिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे वा कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया। जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी। उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616

विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरुक्षेत्र में 21, जीद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बाबल में 25, कैथल में 29, पंचकूल में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिवानी में 65, अंबाल में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाएं में शामिल हुए। जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशी से परीक्षार्थी शामिल थे। इनमें से कुछ विद्यार्थी अफगानिस्तान व मध्यमर से शामिल थे।

जनवरी में भी इसी पैटर्न पर होंगे पेपर परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी माह में आयोजित की जाने वाली फाइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर होंगी। जाएंगी ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....स्पैशल पल्स
दिनांक 17.12.2020 पृष्ठ संख्या.....— कॉलम.....—

एचएयू ने मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों को भी बनाया परीक्षा केंद्र

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सातक एवं सातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गईं, जो कारगर साबित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार हिस्सा लिया। कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि ऑफ लाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी गज्जों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया जबकि प्रदेश के

उन्होंने बताया कि सातक व सातकोत्तर कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरुक्षेत्र में 21, जीट में 49, रामगढ़ में 22, फरीदाबाद में 4, बावल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, दिल्ली में 46, टोहतक में 35, नंडकौला में 9, महेंटगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिरानी में 65, अबाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे।

विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... नं. ४५/२०२२
दिनांक १७.१२.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

हक्कि में ऑफलाइन और ऑनलाइन करवायी परीक्षाएं

हिसार/17 दिसंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गईं, जो कारगर साबित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑनलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा

अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी। उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरुक्षेत्र में 21, जोंद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बाबल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, भिवानी में 65, अबाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे। इनमें से कुछ विद्यार्थी अफगानिस्तान व मयंमार से शामिल थे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी माह में आयोजित की जाने वाली फाइनल परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

द्वितीय संवेदन

दिनांक १४.१२.२०२० पृष्ठ संख्या ५ कॉलम ७-८

एचएयू ने पहली बार मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों को भी बनाया परीक्षा केंद्र



विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज का फाइल फोटो।

● एचएयू ने ऑफलाइन व ऑफलाइन रूप से आयोजित किए निःशुल्क एग्जाम

हिसार, 17 दिसंबर (सुरेन्द्र सोहड़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की मध्यावधि परीक्षाओं के लिए कोरोना महामारी के चलते इस बार एक नया पैटर्न अपनाया है। इस पैटर्न के तहत विद्यार्थियों के लिए ऑफलाइन व ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं आयोजित कराई गईं, जो कारागर साबित हुई हैं। इन परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने सुविधानुसार बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर.कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते, विद्यार्थियों के लिए मध्यावधि परीक्षाओं का आयोजन एक चुनौती भरा कार्य था। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बैठक आयोजित कर एक नया पैटर्न अपनाते हुए पहली बार सभी परीक्षाओं को ऑफलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने का फैसला लिया। ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए इस बार विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थानित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

विदेशियों व बाहरी राज्यों के विद्यार्थियों ने दी ऑफलाइन परीक्षा

जनवरी में भी इसी पैटर्न पर होंगे पेपर

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी माह में आयोजित की जाने वाली फ्राइलन परीक्षाएं भी इसी पैटर्न पर ली जाएंगी ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार वी समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदयतों का पालन हो सके।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि जो विद्यार्थी विदेश से यहां पढ़ रहे थे या फिर जो बाहरी राज्यों से संबंध रखते थे और कोरोना महामारी के चलते वापस अपने देश व राज्य में चले गए, उनके लिए ऑफलाइन परीक्षा का माध्यम रखा गया। जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के अलावा अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्रों में परीक्षा दी। उन्होंने बताया कि स्नातक व स्नातकोत्तर की विभिन्न कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय में कुल 616 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। जबकि कृषि विज्ञान केंद्र पानीपत में 21, कुरुक्षेत्र में 21, जीद में 49, यमुनानगर में 22, फरीदाबाद में 4, बाबल में 25, कैथल में 29, पंचकूला में 3, सोनीपत में 17, सिरसा में 46, रोहतक में 35, मंडकौला में 9, महेंद्रगढ़ में 52, करनाल में 21, फतेहाबाद में 48, मिवानी में 65, अंबाला में 4, झज्जर में 2 और सदलपुर में 18 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा दी। इसके अलावा कुल 85 विद्यार्थी ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाओं में शामिल हुए जिनमें बाहरी राज्यों व विदेशों से परीक्षार्थी शामिल थे। इनमें से कुछ विद्यार्थी अफगानिस्तान व मयमार से शामिल थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... भूलभाल अखबार - मार्गसंवाद

दिनांक 18-12-2020 पृष्ठ संख्या कॉलम

सिरसा के कृषि विज्ञान केंद्र में शुरू हुआ सामुदायिक रेडियो स्टेशन, किसानों को मिलेंगी कृषि व पशुपालन की जानकारियां

मालवीय न्यूज़ | मित्रसभा

मायदृष्टिके दृष्टिकोण स्टेनशनों के प्रसारणों का कुल विकास में महत्वपूर्ण योगदाता है। इन स्टेनशनों पर विस्तारों को अध्ययन करके कालांक प्रस्तुति किए जाएंगे। इन पर प्रतीति कर्यालयों के मायदृष्टि से परिपूर्ण अवधारणा प्रदाता करने के लिए सर्वानन्द-सम्मिलित विशेषज्ञों द्वारा विवारित होनी चाहीए। विवारणों की विवारणों के लिए हारियाली कुप्रि के कुलनाम प्रकाशन मायदृष्टि से कहाँ है। विविधविवारणों के सिरामा में स्थित कुलप्रि छिक्कन केंद्र पर मायदृष्टि स्टेनशनों के लिए स्टेनशन उड़ान के बाहर बाहर रहे। यह दृष्टिकोण स्टेनशन अब विस्तारों के लिए समर्पित कर दिया गया है। मायदृष्टिके दृष्टिकोण स्टेनशनों

विश्वविद्यालय के अधिकारी ने उनके उपराजनीकारी की विरहिणा मरकार के महायोग से गट्टीय कृपि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कृपितनि ने कहा कि इसके विकासने को भौमिक स्वयंभूत है। जाकरी, विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों वोचो सलाह, विश्वविद्यालय एवं गुरु विद्यालय से संबंधित नियन्त्रणमें एवं गुरु विद्यालय से संबंधित नियन्त्रणमें

किसानों व वैज्ञानिकों के होंगे सहित
संबंध मिलेगी हर जानकारी

विश्वविद्यालय के कुलत्वंत प्रोफेसर समर नित ने कहा कि उन्हें देशकों के स्थान लौटने के बाद किसानों व वेतनाधारी को संख्या अधिक घटनित होने और किसानों को इस घटना की जागरूकता बढ़ानी चाही। उन्होंने कहा कि इन्हें किसानों को फसलों की उत्तम किसानी के साथ साथ उनकी जागरूकता, जागरूकी व कठोरी और समाजपाल संबंधी जागरूकता, मीमांसा सम्बन्धी जागरूकती, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सहायता, पर्यावरण एवं वृक्ष विभाग से सम्बद्ध नवीनीकरण जागरूकी प्रदान कर जाएगी। विश्वविद्यालय ने इस दिनों पुष्ट विज्ञान-विद्यालयों का आगामी सम्पर्क कम हो पात है या संभव हो नहीं होता। ऐसे में सामुदायिक विद्यों से संबंधित उत्तम कामों को जासानी पहुंचाने की एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

ऐसे होंगी सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के दर्यकामों की रूपरेखा

A black and white photograph showing a group of approximately ten people seated around a long, rectangular conference table. The individuals are dressed in professional attire, including suits and blouses. The setting appears to be a formal meeting room or a boardroom. The people are positioned on both sides of the table, facing towards the center or slightly to their right. The background shows architectural details like windows and doors.

मंडिरालय के कृत्यपीठ प्रे. राजवीर सिंह गोदानकी अपने कालालय में नैक कमटी के कन्चननर और विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं प्रभारियों को मंचनित करते हुए।

रिकॉर्ड नैक क्राइटेरिया हिसाब से करें सभी विभाग
दस्त 2015 से 2020 तक रिकॉर्ड भेजें दाराएवंदर

जैसे के वायरलेसिया के लिए बड़ा और ज़रूरी है।

एस ए प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बनाया गया वर्णन में आपको कृतियों के बारे में जानकारी दी जाती है। यहाँ आपको अपने कृतियों के बारे में जानकारी दी जाती है। यहाँ आपको अपने कृतियों के बारे में जानकारी दी जाती है। यहाँ आपको अपने कृतियों के बारे में जानकारी दी जाती है।

को नैक ग्राहिट्रायर्स के वित्तबंध से दुरुपयोग करें। वर्ष 2015 से 2020 तक के रिकार्ड को उत्तराधिकारी आमंत्रित अपार्सी के पास भेजें, जबकि जनता से एक विवरणित्रायर्य के मैस्ट्रल स्टूडी रिपोर्ट नैक मुख्यमन्त्री से भेजें जो यह स्पष्ट करना चाहिए ताकि नैक के कमीटी के बजाय लोग विभिन्न विधायिकों के बजाय एवं व्यापारियों को संबोधित कर सके थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.

प्राप्ति विद्या

दिनांक १८-१२-२०२० पृष्ठ संख्या कॉलम

.कॉलम

प्रियोन्युक्त

सिरसा बीरवाह 17 दिसंबर 2020 | 4

कृषि विज्ञान केंद्र के सामुदायिक रेडियो स्टेशन का हुआ उद्घाटन

સિરાજ ન્યારી

सिरसा। सामुदायिक रेडीयो स्टेशनों के प्रसारणों का कृपि विद्यास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को खाद्य में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएं। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान भूम-साधायिक विधियों पर मर्ग मारकारों प्रति कर स्कंदों ये विचार जैविक उत्पादन की कृपि के कुलपति पोषकसंसाधनों से बचने के लिए विश्वविद्यालय के सितास में स्थित कृपि विद्यान केंद्र पर सामुदायिक रेडीयो स्टेशन के विश्वविद्यालय के बाह्य बोर्ड रहे थे। यह रेडीयो स्टेशन अब किसानों पर इस मर्गपति कर दिया गया है। इस सामुदायिक रेडीयो स्टेशन को हरियाणा सरकार के मंत्रीयों में स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा है कि इसे किसानों को भौमध्य सम्बन्धी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित जनविनय जानकारी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि चौथी घण्टा मिल हरियाणा को विश्वविद्यालय एवं कुलपति रेडीयो स्टेशन स्थापित करने वाला देश का प्रत्यक्ष कृपि विश्वविद्यालय बन गया है। भारत सरकार व हरियाणा सरकार की महत्वता से इस तरह के छ सामुदायिक रेडीयो स्टेशन विभिन्न कृपि विज्ञान केंद्रों के लिए तैयार ही स्थापित कर जा चुके हैं। इनमें हिमाचल, राजस्थान, झज्जर, पानीपत, कुरुक्षेत्र व जीद शामिल हैं।



ये रहे समारोह में मौजूद

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थी एवं जगतीकरण कार्यालय, अनुमोदन निदेशक डॉ. एम. के सहायता, प्रोफेसर इयरेक्टर डॉ. स्टीवेंस खाली, कृपि विळान केंद्र के वरिष्ठ समोजक डॉ. ट्रेवोट चिर्प, जाखड़, जिला विद्यार्थी विशेषज्ञ, अनेक प्रगतिशील समाज अनेक गणभूमि व्यक्ति भी मौजूद थे।

ऐसे होगी सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के कार्यक्रमों की रूपरेखा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ आर.एम. हुडा ने कहा कि यह सभी रेडिओ स्टेशन हिंदूण सरकार को राष्ट्रीय कृपि विकास योजना व ज्ञाना स्तरोंमें के नतना स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विधिविद्यालय में मध्यसंघ पाल 29 नवंबर 2009 को सामुदायिक रेडिओ स्टेशन की स्थापना की गई और एफ.एम. 91.2 मेंगालूरू पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने शुरू कर दिया। इन रेडिओ स्टेशनों से दिन में दो बार सुबह 10:00 बजे से 11:00 बजे तक तथा श्रम की 2:30 बजे से 4:30 बजे के प्रशापनलन सरकारी योजनाओं, फार्म संघर्षों जानकारी तथा नियन्त्रण कलाकारों द्वारा हिंदूणीया की संस्कृत कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। मह-निदेशक (फार्म परामर्शी संघ) डॉ. सुनील बाण्डु ने कहा कि ये रेडिओ स्टेशन एक लंबे एवं जटिल प्रायोग का प्रयोग हैं इनको अपनाने के लिए विस्तार शिक्षा निदेशनलय ने लगातार कई बार तक भारत सरकार के विभिन्न भवालयों से एनओसी प्राप्त करने के बाद से किसीनो को ममतिल किए गए हैं।